`

कर्षण वितरण विभाग
उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल

परिचय:

उत्तर पश्चिम रेलवे (एनडब्ल्यूआर) के जोधपुर मंडल के कर्षण वितरण विभाग (टीआरडी) का मुख्य कार्य रेल संचालन के लिए आवश्यक विद्युत आपूर्ति और ओवरहेड उपकरण (ओएचई) के रखरखाव को सुनिश्चित करना है। यह विभाग रेल नेटवर्क के विद्युतीकरण और सुचारू संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

टीआरडी के प्रमुख कार्य:

1. **ओवरहेड उपकरण (OHE) का रखरखाव:**
कर्षण वितरण विभाग रेल लाइनों पर ओएचई का निरीक्षण, मरम्मत और रखरखाव करता है, जिससे ट्रेनों को सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होती है।

2. **विद्युतीकरण परियोजनाएं:**
नए रेलखंडों का विद्युतीकरण करना और विद्यमान संरचनाओं को उन्नत करना विभाग की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल है।

3. **सुरक्षा सुनिश्चित करना:**
यह विभाग विद्युत आपूर्ति और उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है ताकि संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो।

4. **आपातकालीन सेवाएं:**
ओएचई में किसी प्रकार की खराबी या बाधा आने पर टीआरडी तुरंत प्रतिक्रिया देता है और जल्द से जल्द समस्या का समाधान करता है।

5. **ऊर्जा प्रबंधन:**

ऊर्जा की खपत का कुशल प्रबंधन और बिजली आपूर्ति की निगरानी भी इस विभाग की जिम्मेदारी है।

जोधपुर मंडल में टीआरडी का महत्व:

रेल संचालन की निर्बाधता:

टीआरडी यह सुनिश्चित करता है कि ट्रेनों को लगातार और स्थिर विद्युत आपूर्ति मिले, जिससे संचालन में कोई बाधा न हो।

विद्युतीकरण का विस्तार:

जोधपुर मंडल में रेल खंडों के विद्युतीकरण से डीजल इंजनों पर निर्भरता कम हुई है, जिससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

माल और यात्री यातायात में सुधार:

कर्षण वितरण प्रणाली के कुशल संचालन से माल और यात्री ट्रेनों की गति, समयबद्धता और क्षमता में सुधार हुआ है।

चुनौतियां और समाधान:

जोधपुर मंडल का भौगोलिक परिदृश्य, जिसमें रेगिस्तानी क्षेत्र भी शामिल है, उपकरणों के रखरखाव और विद्युत आपूर्ति में अद्वितीय चुनौतियां प्रस्तुत करता है। टीआरडी इन चुनौतियों का सामना नवीन तकनीकों, कुशल कार्यबल और नियमित निरीक्षणों के माध्यम से करता है।

जोधपुर मंडल का कर्षण वितरण विभाग रेलवे प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा है, जो पर्यावरणीय रूप से सतत और कुशल रेल संचालन में योगदान देता है।